हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
सामान्य प्रशासन शाखा

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद की वर्ष, 2012 की द्वितीय आपात बैठक की कार्यवाही जो दिनांक 14 अगस्त, 2012 को पूर्वान्ह 10–30 बजे आचार्य ए0डी0एन0 बाजपेयी, कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई । बैठक में निम्नलिखित उपस्थित हुए :–

1– प्रो0 ओ0पी0 चौहान
2– प्रो0 श्रीराम शर्मा
3– डॉ0(श्रीमती) उमा वर्मा
4– प्रो0 सुरेश कुमार
5– चौ0 बरयाम सिंह बैन्स
6– श्री सुरेश भारद्वाज
7– डॉ0 धनी राम शर्मा
8– श्री एन0एस0 बिष्ट
9– श्री सी0पी0 वर्मा –कुलसचिव
सदस्य–सचिव

मद संख्याः1 : कुलपति महोदय का वक्तव्य ।

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की वर्ष 2012 की द्वितीय आपातकालीन बैठक में, मैं आप सभी सम्माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ ।

मैं परिषद को ये भी सूचित करना चाहता हूं कि सभी स्नातक परीक्षाओं के परिणाम घोषित हो चुके हैं तथा प्रवेश प्रक्रिया पूरी हो कर शैक्षणिक कार्य भी आरम्भ किया जा चुका है ।

इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा निम्नलिखित संगोष्ठियां, कार्यशालाएं आयोजित की गईं :–

- विश्वविद्यालय का 43वां स्थापना दिवस दिनांक 22–24 जुलाई, 2012 त्रिदिवसीय कार्यक्रम बड़ी धूमधाम से आयोजित किया गया तथा इस कार्यक्रम के दौरान कई नए आयाम विश्वविद्यालय के इतिहास के साथ जुड़े ।
- 31 जुलाई, 2012 को विधि विभाग के सभागार में पुस्तकालय एवं आन्तरिक गुणवता, विश्वसनीयता प्रकोष्ठ के संयुक्त आयोजन में इन्फलिविनेट के कार्यक्रम गंगोत्री शोध परियोजना पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें इन्फलिविनेट, अहमदावाद के निदेशक डॉ0

जगदीश अरोड़ा उपस्थित हुए । इस कार्यक्रम में विभागाध्यक्षों एवं शोध छात्रों आदि ने भाग लिया ।

- ❖ 3 अगस्त, 2012 को सभी विभागाध्यक्षों के साथ शैक्षणिक सत्र आरम्भ होने पर बैठक की गई जिसमें विभागाध्यक्षों ने परिसर में चुनाव न कराने के लिए सहमति व्यक्त की ।
- ❖ 4 अगस्त, 2012 को पूर्व कुलपति प्रो0 एच0पी0 दीक्षित का अकैडमिक स्टाफ कॉलेज मं पुनश्चर्या कार्यक्रम के समापन अवसर पर उद्‌बोधन आयोजित किया गया और इसी दिन ही विधि विभाग के सभागार में भी प्रो0 दीक्षित ने एक विशेष व्याख्यान दिया ।
- ❖ 7 अगस्त, 2012 को कॉलेज प्राचार्यों के साथ विशेष बैठक हुई जिसमें सभी प्राचार्यों ने छात्र राजनीति पर रोक लगाकर अप्रत्यक्ष विधि से चुनाव कराने की सिफारिश की ।
- ❖ 7 अगस्त, 2012 को ही विश्वविद्यालय की खेल–कूद एवं पाठ्येत्तर गतिविधियों की परिषद की 41वीं सालाना बैठक आयोजित की गई जिसमें किसी भी कॉलेज में बी.सी.सी.आई, के सहयोग से क्रिकेट स्टेडियम बनाने का मैंने आह्‌वान किया ।

पी.जी. सैन्टर व कॉलेज में छात्रसंघ चुनावों को लेकर मांग हो रही है तथा हमने हमेशा शान्त माहौल में चुनाव कराने का प्रस्ताव किया है और छात्रों से इस मांग को लेकर विस्तृत चर्चा के लिए प्रस्ताव आप सभी सम्माननीय सदस्यों के समक्ष रखा जा रहा है पिछले कल भी छात्र संगठनों के संयुक्त प्रतिनिधि मण्डल से मैंने शान्ति व शैक्षणिक माहौल बनाये रखने की अपील की है ।

अब मैं कुलसचिव से निवेदन करता हूँ कि वे आज के लिए प्रस्तावित कार्यसूची को परिषद के सम्मुख चर्चा के लिए प्रस्तुत करें ।

<u>मद संख्या</u>:2: कार्यकारिणी परिषद के समक्ष हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय तथा इससे सम्बद्ध महाविद्यालयों में केन्द्रीय छात्र संघ के चुनाव करवाने हेतु मामला चर्चा हेतु प्रस्तुत है ।

.....

माननीय कुलपति ने केन्द्रीय छात्र संघ चुनाव करवाने पर विश्वविद्यालय परिसर व सम्बद्ध महाविद्यालयों में छात्रों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों व आन्दोलन की वास्तविक स्थिति से कार्यकारिणी परिषद को अवगत करवाया । उन्होंने परिषद को यह भी बताया कि चुनाव करवाने के मामले को लेकर तीनों छात्र संगठनों के संयुक्त प्रतिनिधि मण्डल ने दिनांक 13–8–2012 को उनसे मुलाकात की तथा इस मामले पर विस्तार से चर्चा के दौरान संयुक्त प्रतिनिधि मण्डल ने यह आश्वस्त किया कि वे छात्र संघ चुनावों के दौरान व उसके पश्चात भी विश्वविद्यालय परिसर में शांति बनाये रखने में प्रशासन को पूर्ण सहयोग देंगे व किसी भी प्रकार की हिंसक गतिविधियां नहीं करेंगे ।

कार्यकारिणी परिषद ने छात्रों के संयुक्त प्रतिनिधि मण्डल की कुलपति महोदय से हुई चर्चा व छात्र संगठनों द्वारा दिए गए आश्वासन को मध्यनजर रखते हुए विश्वविद्यालय परिसर व सम्बद्ध महाविद्यालयों में सूचीबद्ध **(संलग्नक)** कार्यक्रम के अनुरूप लिंगदोह समिति की सिफारिशों के अनुसार चुनाव करवाने को अपनी स्वीकृति प्रदान की । इस पर सभी सम्माननीय सदस्यों ने कहा कि अधिष्ठाता छात्र कल्याण लिंगदोह समिति की सिफारिशों की एक–एक प्रति तीनों संगठनों को भी उपलब्ध करवाए ।

इसके अतिरिक्त परिषद ने विश्वविद्यालय परिसर व सम्बद्ध महाविद्यालयों में शांतिपूर्वक चुनाव सम्पन्न करवाने और चुनावों का अनुश्रवण करने के लिए निम्नलिखित उच्च स्तरीय समिति का गठन किया :

1– अधिष्ठाता अध्ययन	–अध्यक्ष
2– अधिष्ठाता छात्र कल्याण	–सदस्य
3– मुख्य छात्रपाल	–सदस्य
4– प्रो0 सुरेश कुमार	–सदस्य
5– डॉ0(श्रीमती)उमा वर्मा	–सदस्य
6– डॉ0 बी0एल0 विन्टा	–सदस्य

उपरोक्त समिति चुनाव से पूर्व, चुनाव के दौरान व चुनाव के पश्चात हिंसक घटनाओं का आकलन करने के लिए समिति के सदस्य विश्वविद्यालय परिसर व महाविद्यालयों का अनुश्रवण करेंगे तथा यदि हिंसक घटनाएं होती हैं तो समिति इन घटनाओं पर अपनी अनुशंसाएं कुलपति महोदय को प्रस्तुत करेगी ताकि उसके अनुसार आगामी कार्यवाही की जा सके ।

मद संख्या:3: कार्यकारिणी परिषद के समक्ष बी0एड0 महाविद्यालयों में रिक्त सीटों को भरने और इससे विश्वविद्यालय को हो रहे नुक्सान पर चर्चा करने हेतु मामला विचारार्थ प्रस्तुत है ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने हिमाचल प्रदेश बी0एड0 महाविद्यालय संघ द्वारा दिए गए अभ्यावेदन पर विस्तार से चर्चा के उपरान्त समस्त सम्बद्ध बी0एड0 महाविद्यालयों में रिक्त पड़ी सीटों को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (N.C.T.E.) द्वारा समय–समय पर जारी किए गए मापदण्डों के अनुसार भरने के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान की ।

मद संख्या:4: हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद के समक्ष वरिष्ठ सहायकों (लिपिक, कनिष्ठ सहायक व वरिष्ठ सहायक) जो 17 वर्ष या अधिक सेवा काल पूर्ण कर चुके हैं को अधीक्षक ग्रेड–2 (निःसंवर्ग) के पद पर वेतनमान 10,300–34800 +गेड पे 3800 रूपये+ सचिवालय भत्ते में पुनर्अभिहित होने बारे विचारार्थ एवं अनुमोदन हेतु ।

.....

कार्यकारिणी परिषद ने तीन वरिष्ठ सहायकों जो 17 वर्ष या अधिक सेवा काल पूर्ण कर चुके हैं को अधीक्षक ग्रेड–2 (निःसंवर्ग) के पद पर वेतनमान 10,300–34800 +गेड पे 3800 रूपये+ सचिवालय वेतन में पुनर्अभिहित करने हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान की । कार्यकारिणी परिषद ने भविष्य में ऐसे मामलों में कार्यवाही करने हेतु कुलपति महोदय को प्राधिकृत किया ।

अन्य मदें :–

I. कार्यकारिणी परिषद ने मद संख्या–16 दिनांक 2–7–2012 को हुई बैठक में गठित समिति की सिफारिशों का अवलोकन कर इसे **संलग्नक** के अनुरूप अनुमोदित किया ।

II. **श्री सुरेश भारद्वाज**

माननीय सदस्य श्री सुरेश भारद्वाज जी ने गैर–शिक्षक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष द्वारा दिए गए अभ्यावेदन को कार्यकारिणी परिषद के समक्ष रखा जिसमें निवेदन किया गया था कि विश्वविद्यालय

में चल रहे सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय कर्मचारियों के बच्चों को कुछ सीटें आरक्षित की जाएं । इस पर कार्यकारिणी परिषद ने विश्वविद्यालय में चल रहे सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय कर्मचारियों के बच्चों को प्रत्येक पाठ्यक्रम में तीन–तीन सीटें गैर–अनुदान योजना के अन्तर्गत आवंटित सीटों के अतिरिक्त आरक्षित करने को अपनी स्वीकृति प्रदान की । परिषद ने भी निर्णय लिया कि जिन पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया चल रही है उनमें आरक्षित सीटों के लिए प्रवेश इसी इसी सत्र से लागू होगा । श्री सुरेश भारद्वाज के इस प्रस्ताव का चौ0 बरयाम सिंह बैन्स ने भी समर्थन किया ।

III. चौ0 बरयाम सिंह बैन्स

माननीय सदस्य चौ0 बरयाम सिंह बैन्स ने स्नातक स्तर अनुपूरक परीक्षा में दिए गए दो अवसरों के पश्चात भी असफल रहने बाले विद्यार्थियों को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक विशेष अवसर प्रदान करने का मामला परिषद के समक्ष रखा । जिस पर परिषद ने इस मामले पर आगामी कार्यवाही करने हेतु कुलपति महोदय को प्राधिकृत किया ।

IV. श्री एन0एस0 बिष्ट

माननीय सदस्य श्री एन0एस0 बिष्ट ने अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र में बी0एड0 में प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता जैसा कि विश्वविद्यालय में नियमित विद्यार्थियों के लिए सामान्य वर्ग 50 प्रतिशत (अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए 5 प्रतिशत छूट) के समान करने हेतु मामला परिषद के समक्ष रखा जिसे परिषद ने सर्वसम्मति से अपनी स्वीकृति प्रदान की ।

इसके अतिरिक्त श्री बिष्ट ने परिषद को अवगत करवाया कि श्री पी.एन. भारद्वाज, उप कुलसचिव(सेवानिवृत) जो सेवाकाल के दौरान निलम्बित किए गए थे को माननीय न्यायालय ने सम्बन्धित मामले में दोषमुक्त करार दिया है तथा आग्रह किया है

कि उनके सेवानिवृति के देय लाभ जारी किए जाएं । इस पर परिषद ने कहा कि मामले का परीक्षण कर इस पर उचित कार्यवाही की जाए ।

बैठक पीठ को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुई ।

(सी.पी. वर्मा)
कुलसचिव
सदस्य–सचिव

पुष्टिकरण

हस्ता0/–

(आचार्य ए.डी.एन. बाजपेयी)
कुलपति/सभापति